बेटा ... आ भी कुछ ... में घसने नहीं देगी" लड़की सोचकर बोली, "एक तरीका

C.W
28.6.23

Ch-3
राख की रस्सी

Date
Page

शब्दार्थ :-

1) हाजिरजवाबी - ~~ख~~ चटपट जबाव देने में कुशलता,

2) समस्या - परेशानी

3) निराशा - हताश

4) संदेश - खबर

5) असंभव - जो कभी भी हो ही नहीं सकता हो,

6) चकित - हैरान

7) ~~प्रस्त~~ प्रस्ताव - जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे के सामने किसी काम को करने के लिए अपनी इच्छा प्रकट करता है,

1) मौखिक :-

क) लोनपो गार किसके मंत्री थे ?

A - लोनपो गार तिब्बत के बत्तीसवें राजा सोंनगत्सैन गांपो के मंत्री थे।

ख) लोनपो गार किस बात की चिंता थी ?

A - लोनपो गार का बेटा बहुत सीधा - सादा था। उन्हें उसकी भविष्य की चिंता थी

ग) लोनपो गार का बेटा क्यों दुखी था ? बताओ-

A - लोनपो गार का बेटा सौ भेड़ों को बिना भेड़ो का मारे या बिना बेचे घर ले जाने का समस्या का हल ना निकाल पाने की वजह से परेशान था।

घ) उसकी मदद किसने की ?

A - उसकी मदद एक लड़की ने की।

ङ) लोनपो गार को क्या बात्त अच्छी नहीं लगी ?

र लेकर लौटना।"

उसी जगह जा बैठा। न जाने क्यों उसे यकीन था कि वह लड़की ... और उससे उसने अपनी मुश्किल कह

Date ______
Page ______

A - भेड़ों के बाल बेचना लोनपो गार को अच्छा नहीं लगा।

2) लिखित :-

क) लोनपो गार ने अपने बेटे को क्या कहकर शहर भेजा?

A - लोनपो गार अपने बेटे को सौ भेड़े को शहर ले जाने और उन्हें बिना मारे या बेचे सौ जौ के बोरी के साथ वापस लाने के लिए कहकर शहर भेजा।

ख) लोनपो गार के बेटे की समस्या का हल किसने निकाला और कैसे?

A - लोनपो गार की समस्या का हल एक लड़की ने निकाला भेड़ों के बाल बेचकर।

ग) दोबारा समस्या आने पर लड़की ने लोनपो गार के बेटे की सहायता किस प्रकार की?

A - दोबारा समस्या आने पर लड़की ने भेड़ों की सींग बेचकर लोनपो गार के बेटे की सहायता की।

घ) लड़की ने राख की रस्सी बनाने की कौन सी शर्त रखी?

A- लड़की ने राख की रस्सी बनाने की शर्त्त रखी लोनपी गार को गले पहनना पड़ेगा,

ङ.) लड़की ने राख की रस्सी कैसे बनाई ?

A- लड़की ने नौ हाथ लम्बी रस्सी लेकर उसे पत्थर पर रख कर जला दिया, जिसे वह राख की रस्सी बन गई,

5) सही विकल्प चुनकर (✓) लगाओ :-

क) लोनपी गार ~~का पुत्र~~ किस बात के लिए दूर-दूर तक

अब तक क्या सीखा (Learning and Writing Skill)

1. मौखिक

(क) लोनपो गार किसके मंत्री थे?

(ख) लोनपो गार को किस बात की चिंता थी?

(ग) लोनपो गार का बेटा क्यों दुखी था? बताओ-

(घ) उसकी मदद किसने की?

(ङ) लोनपो गार को क्या बात अच्छी नहीं लगी?

2. लिखित

(क) लोनपो गार ने अपने बेटे को क्या कहकर शहर भेजा?

(ख) लोनपो गार के बेटे की समस्या का हल किसने निकाला और कैसे?

(ग) दोबारा समस्या आने पर लड़की ने लोनपो गार के बेटे की सहायता किस प्रकार की?

(घ) लड़की ने राख की रस्सी बनाने की कौन-सी शर्त रखी?

(ङ) लड़की ने राख की रस्सी कैसे बनाई?

3. दिए गए वाक्यों को उनके उचित घटनाक्रम में लिखो-

(क) एक बार फिर निराश लोनपो गार का बेटा शहर में उसी जगह जा बैठा। 4

(ख) लोनपो गार के बेटे को लगा उसके पिता बहुत खुश होंगे। 3

(ग) लोनपो गार ने सोचा ऐसी रस्सी बनाना ही असंभव है इसलिए लड़की की शर्त मंज़ूर कर ली। 5

(घ) वह इस समस्या पर सोचने-विचारने के लिए सड़क किनारे बैठ गया। 1

(ङ) लड़की ने भेड़ों के बाल उतारे और उन्हें बाज़ार में बेच दिया। 2

4. सही विकल्प चुनकर (✓) लगाओ-

(क) लोनपो गार किस बात के लिए दूर-दूर तक मशहूर थे?

अपनी चालाकी और हाज़िरजवाबी के लिए ☑

अपनी कंजूसी के लिए ☐

अपने क्रोध के लिए ☐

(ख) लोनपो गार का पुत्र कैसा था?

चालाक ☐ अनपढ़ ☐ सीधा-सादा ☑

(ग) लोनपो गार के बेटे की सहायता किसने की?

एक बूढ़े ने ☐ एक लड़की ने ☑ एक चोर ने ☐

(i) ...

(ii) कमरे

(viii) दर्शक

(घ) लोनपो गार क्या देखकर चकित रह गए?

लड़की के कपड़े ☐ राख की रस्सी ☑ भेड़ों की हालत ☐

● Oral and written expression ● Sequencing ● MCQs ● Intelligence ● Explanation ● M.I.- Logical

भाषा-ज्ञानी बनो (Language Skill)

1. अनुनासिक (ँ/ ं) का प्रयोग-

अनुनासिकता स्वरों का गुण है। अनुनासिक को लिखने के लिए प्रत्येक स्वर या उसकी मात्रा के ऊपर चंद्रबिंदु लगाया जाता है। इसके उच्चारण में हवा मुख और नासिका दोनों से निकलती है। लिखते हुए जिन स्वरों की मात्राएँ शिरोरेखा के ऊपर नहीं लगतीं, उन पर चंद्रबिंदु (ँ) लिखा जाता है। जैसे- कहाँ, सूँघना, साँस आदि। परंतु जिन स्वरों की मात्राएँ शिरोरेखा के ऊपर लगती हैं, उन पर अनुनासिक चिह्न बिंदु (ं) के रूप में लगता है। जैसे- नहीं, मैं, चिंता आदि। इनका उच्चारण भी मुख और नासिका से ही होता है।

दिए गए शब्दों में अनुनासिक चिह्न लगाओ-

ज़िंदगी	ज़िंदगी	लबी	लंबी
पाच	पाँच	सदेश	संदेश
काच	काँच	असभव	असंभव
काटा	काँटा	पहुचना	पहुँचना

2. पढ़ो और समझो-

दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

शब्दों का वर्गीकरण

हिंदी भाषा के शब्दों का वर्गीकरण निम्नलिखित चार आधारों पर किया जाता है-

(i) उत्पत्ति के आधार पर

(ii) रचना के आधार पर

(iii) प्रयोग के आधार पर

(iv) अर्थ के आधार पर

- उत्पत्ति के आधार पर शब्द पाँच प्रकार के होते हैं- तत्सम शब्द, तद्भव शब्द, देशज शब्द, विदेशी शब्द और संकर शब्द।
- रचना के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं- रूढ़, यौगिक तथा योगरूढ़।
- प्रयोग के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं- विकारी शब्द और अविकारी शब्द।
- अर्थ के आधार पर शब्दों को दो वर्गों में विभाजित किया गया है- सार्थक शब्द, निरर्थक शब्द।
- सार्थक शब्द के निम्नलिखित उपभेद होते हैं- एकार्थी, अनेकार्थी, समानार्थी, विलोम, और श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द।

नीचे लिखे शब्दों से तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशी शब्दों को अलग-अलग छाँटकर लिखो-

लोटा, सूर्य, आग, पेन, दूध, कुरता, जूता, मयूर, धोती, जीभ, कुरसी, कर्म, टेलीफ़ोन, गाड़ी, खबर, पगड़ी, साबुन, खिड़की

तत्सम	तद्भव	देशज	विदेशी
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

3. गेहूँ और जौ अनाज होते हैं और ये तीनों शब्द संज्ञा हैं। 'गेहूँ' और 'जौ' अलग-अलग तरह के अनाजों के नाम हैं इसलिए ये दोनों व्यक्तिवाचक संज्ञा हैं और 'अनाज' जातिवाचक संज्ञा है इसी प्रकार 'बिज़ी बीज़' व्यक्तिवाचक संज्ञा है 'पाठमाला' जातिवाचक संज्ञा है।

(i) नीचे दी गई संज्ञाओं का वर्गीकरण इन दो प्रकार की संज्ञाओं में करो-

लखनऊ	धातु	शेरवानी	भोजन
ताँबा	खिचड़ी	शहर	वेशभूषा

(ii) ऊपर लिखी हर जातिवाचक संज्ञा के लिए तीन-तीन व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ खुद सोचकर लिखो-

4. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखो-

आगे	पीछे	मान	अपमान
उत्कर्ष	अपकर्ष	सुंदर	कुरूप
आस्तिक	नास्तिक	गुण	अवगुण
यश	अपयश	कोमल	कठोर

5. निम्नलिखित का वचन परिवर्तन करो-

रात	रातें	लिपियाँ	लिपि
कमरा	कमरे	घोसला	घोंसले
मशीनें	मशीन	आप लोग	आप
लता	लताएँ	दर्शकगण	दर्शक

● Grammar ● Morphology ● Antonym ● Number
● M.I.- Logical, Linguistic